

म्राजारण

EXTRAORDINARY

भाग I---सम्बद्ध 1

PART I-Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

₹ 0 84] No. 84] नई दिल्ली, मंगलबार, अप्रैल 18, 1972/चैत्र 29, 1894

NEW DELHI, TUESDAY, APRIL 18, 1972/CHAITRA 29, 1894

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संश्या थी जाती है जिससे कि यह झलग संकलन के रूप में रखा जा सके। Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

MINISTRY OF FOREIGN TRADE

PUBLIC NOTICE

EXPORT TRADE CONTROL

New Delhi, the 18th April 1972

Subject.—Export of Hand woven Woollen Carpets, Woollen Chain Stitched Rugs and Hand woven woollen Carpets of Persian and Mobarik designs up to 32,000 knots sq. metre.

No. 7-ETC(PN)/72.—Reference Ministry of Foreign Trade's Export Trade Control Order No. E(C)O, 1968/AM(76) dated the 18th April, 1972 amending the provisions of the aforesaid order.

2. It is notified for the information of the trade that with effect from 1st April, 1972, export of Hand woven woollen carpets and woollen chain stitched rugs, other than those mentioned against item 32(i) in Part 'A' will be licensed freely on shipping bills. Export is allowed only on outright sale basis and subject to floor price of Rs. 50.00 per sq. metre f.o.b.

- 3. Paragraph 3 of the Min. of Foreign Trade's Public Notice No. 3-ETC(PN)/72 dated 30th March, 1972 should be substituted by the following:—
 - "It is also notified that export of Hand woven woollen carpets of Persian, and Mobarik designs—upto 32,000 knots per sq. metre—will also be licensed freely on shipping bills. Export is allowed only on outright sale basis and subject to floor price of Rs. 60.00 per sq. metre f.o.b.

M. M. SEN, Chief Controller of Imports and Exports.

विवेश ध्यापार मंत्राह य

मार्बजनिक स्चना

. निर्यात व्यापार नियंत्ररा

नई दिल्ली, 18 प्रप्रैल, 1972

विषय :—हाय से बुने हुए ऊनी कालीनों, ऊनी लड़ियों से सिले हुए गलीचे तथा फारसी श्रौर मुबारिक डिजाइन के हाथ से बुने हुए ऊनी कालीनों का 32,000 गांठ वर्ग मीटर तक निर्यात।

संस्था ७—ई० टी० सी० (पी० एन०)/७२. —संदर्भ — विदेश व्यापार मंत्रालय के निर्मात व्यापार निर्मत्नण श्रादेण संख्या : ई(सी) श्रो, 1968/एएम (७६), दिनांक 18.श्रप्रैल, 1972—उपर्युक्त भादेश में संशोधन करते हुए।

- 2. ज्यापारियों की जानकारी के लिए यह श्रधिसूचित किया जाता हैं कि भाग 'ए' में मद 32(1) के सामने उल्लिखित से भिन्न हाथ से बुने हुए ऊनी कालीनों श्रीर ऊनी लड़ियोंसे सिले हुए गलीनों के निर्यात के लिए 1 श्रप्रैल, 1972 से पोतपरिवहन बिलों पर श्रवाध रूप से श्रनुमति वी जाएगी। केवल तत्काण निकी के श्राधार पर श्रीर 50/-रुपये प्रति वर्ग मीटर जहाज पर्येत्त निःशुरूक न्यूनतम भूल्य के स्थीन निर्यात की स्वीकृति है।
- 3. विदेश व्यापार मंत्रालय की सार्वजनिक सूचना संख्याः : 3-धाईर्टीसी (पीएन)/72, विताक 30-मार्च-72 की कंडिका 3 को निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया आए :---

"यह भी श्रिष्ठिसृचित किया जाता है कि फारस तथा मुखारिक डिजाइनों के हाथ से झुने हुए। कालीनों के 32,000 गांठ प्रति वर्ग मीटर तक को निर्मात भी पोस्परिवहन बिजों पर श्रव श्र रूप से भनुमेय होगा। केवल तत्क्षण बिकी के श्राध्मार पर श्रौर 5:0—/रुपयेः प्रति वर्ग मीटर जहाज पर्यन्त निःशुल्क स्पूनतम मूल्य के श्रष्ठीन निर्मातः की स्कीकृतिः है।

> एम० एम० सेन; मुख्य नियंत्रक, भायात-निर्यात ।